25 years CUTS International 1983 2008

# बाल दर्पण

**Exchange of ideas for a better childhood**

CUTS CHD

गुणात्मक प्रारम्भिक शिक्षा परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित

Save the Children

मई–अक्टूबर 2009

**संपादक की कलम से...**

बचपन की मीठी यादें हर किसी को अच्छा सगुन दे जाती है, नौनिहालों की जरूरतें बड़ों से अलग होती है इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए। बाल रूपी पौधे को सही वातावरण देकर उसका सर्वांगीण विकास किया जा सकता है। हम सभी को मिलकर बच्चों के लिए ऐसा वातावरण विकसित करना होगा।

कट्स द्वारा गठित बाल पंचायत के बच्चों में आ रहा सकारात्मक बदलाव हमें नई दिशा प्रदान करेगा, ऐसी मैं कामना करता हूँ। घाघसा की दुर्गा ने बाल विवाह का विरोध कर अपनी उम्र की लड़कियों को सही उम्र में विवाह करने की सीख दी है तो रघुनाथपुरा के बच्चों ने तंबाकू गुटखा छोड़ने का संकल्प लेकर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया है।

बाल दर्पण के इस अंक में कट्स द्वारा गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु किये जा रहे प्रयास एवं अनुभव आप तक पहुँचाने का प्रयास किया गया है, साथ ही बच्चों को ध्यान में रखते हुए बाल आधारित जानकारी को भी इस अंक में प्रकाशित किया गया है। आशा है कि यह अंक आपके ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा। इस अंक के बारे में आपके बहुमूल्य सुझावों की प्रतिक्षा रहेगी।

**आशीष त्रिपाठी**
**केन्द्र समन्वयक**

## *इस अंक में...*


- बाल श्रमिकों के लिए शिक्षा हुई सुलभ
- बाल पंचायत आमुखीकरण
- बाल मजदूरों ने लिया स्कूल में प्रवेश
- बच्चों में आई नियमित हाथ धुलाई की जागरूकता


# बाल सम्मेलन

बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने गाँव, समाज एवं जिले का नाम रोशन करें, गाँवों में भी कई प्रतिभाऐं मौजूद हैं उनको सही अवसर मिले तो समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। यह विचार जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. गिर्राज मीणा ने कट्स इन्टरनेशनल द्वारा रावला सेंती में आयोजित बाल सम्मेलन में व्यक्त किए।

कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा सेव द चिल्ड्रन – बाल रक्षा भारत के सहयोग से चलाई जा रही **'गुणात्मक प्रारम्भिक शिक्षा परियोजना'** के तहत आयोजित बाल सम्मेलन में बच्चों द्वारा पूछे गये एक सवाल के जवाब में गिर्राज मीणा ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों का बढ़ता दुरूपयोग एक चिंता का विषय है। समाज में शराब के बढ़ते प्रचलन से अपराध में बढ़ोतरी हो रही है उसके लिए समाज के लोग इन कुरीतियों को दूर करने में अपना दायित्व निभाएं।

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी नर्बदा भांबी ने ''नाज करेगी दुनिया तुम पर तुम दुनिया की तकदीर हो'' कविता के साथ कहा कि शिक्षा के लिए स्व–अनुशासन प्रथम आवश्यकता है। हर बच्चे को वरिष्ठजनों का सम्मान करते हुए अनुशासित होना चाहिए।

पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की प्रधान राजेश्वरी मीणा ने बाल विवाह को समाज की सबसे बड़ी कुरीति बताते हुए कहा कि हर बालिका 18 वर्ष से पूर्व विवाह नहीं करने की एवं बालक दहेज नहीं लेने का संकल्प लें। श्रीमती मीणा ने आगे बढ़ने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा माध्यम बताया। सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला समन्वयक सुरेश शर्मा ने बाल सम्मेलन को अनुभवों का आदान प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम बताया।

बाल रक्षा भारत के राज्य प्रतिनिधि अमित चौधरी ने कहा कि सेव द चिल्ड्रन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए देशभर में सरकार एवं स्वयं सेवी संगठनों के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर अतिथियों ने कट्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक ''बातां ज्ञान री'' भाग एक का भी विमोचन किया।

सम्मेलन में खेल प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई जिसमें बोरा दौड़ में विष्णुनाथ योगी, हास्य प्रतियोगिता में योगेश गाडरी, गुब्बारा प्रतियोगिता में अंकित मेघवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किए। सम्मेलन के तीसरे सत्र में साँस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने बालिका शिक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम एवं पर्यावरण पर आधारित गीत, नाटक एवं कविताएं प्रस्तुत की। सम्मेलन में कट्स के मदन कीर ने परियोजना प्रगति के बारे में अवगत कराया, इसी प्रकार बाल पंचायत प्रतिनिधि भावना कंवर, सीमा गाडरी, भवदेव सिंह, सचेतक रतनदास एवं लक्ष्मी सेन ने अपने अनुभव सुनाए।

कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत उद्‌बोधन केन्द्र समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने दिया व आभार रेहाना परवीन ने व्यक्त किया। सम्मेलन का संचालन मदनगिरी गोस्वामी व वंदना चौहान ने किया। उक्त सम्मेलन में पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की चिकसी, सेमलिया, जालमपुरा, ओछड़ी, सहनवा, देवरी के 28 गांवों के बालक, बालिकाओं तथा सचेतक एवं सेव द चिल्ड्रन के प्रतिनिधियों सहित 376 सहभागियों ने भाग लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक गिर्राज मीणा बच्चों को सम्बोधित करते हुए

बातां ज्ञान री पुस्तक का विमोचन

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे

बोरा दौड़ प्रतियोगिता

अपना अनुभव बताती अनीता

## हमारा संविधान

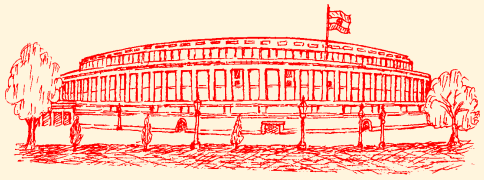

सन् 1947 को भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा गया है। क्योंकि इस वर्ष भारत अपनी सदियों की दासता से मुक्त हुआ था। सर्वप्रथम देश के प्रशासन का कार्य महत्वपूर्ण था। संविधान निर्मात्री ने अथक प्रयास एवं कार्यकुशलता का परिचय देते हुए एक सर्वमान्य संविधान की रचना करने में सफलता प्राप्त की। स्वतंत्रता के पवित्र दिन के पश्चात् दूसरा ऐतिहासिक महत्व का दिन 25 जनवरी 1950 है। इस दिन संविधान को पूरे भारत में लागू किया गया, जिसने भारत को सभी देशों के समक्ष नये गणतंत्र के रूप में प्रस्तुत किया।

किसी भी देश का संविधान एक दिन की उपज नहीं होती अपितु यह एक ऐतिहासिक विकास का परिणाम होता है। भारत में संविधान का विकास अंग्रेजों के भारत में आगमन के समय से ही प्रारम्भ हुआ। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सबसे महत्वपूर्ण कार्य हमारे सामने था एक ऐसे संविधान की रचना करना जिसके माध्यम से हम उन उद्देश्यों को प्राप्त कर सकें, जिसके लिए हमने स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी। संविधान निर्माण में अनेक कठिनाईयाँ आईं। 1946 में कैबिनेट योजना के अनुसार संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव किया गया जिसमें कुल 296 सदस्यों में से 211 सदस्यों के चुनाव किये गए।

संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 को की गई जिसको कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भी संविधान सभा की बैठक हुई और प्रारूप समिति ने संविधान का प्रारूप तैयार किया। संविधान के प्रारूप पर आठ महीने बहस चली जिसमें अनेक संशोधन किए गए। संविधान सभा के 11 अधिवेशन हुए।

इस प्रकार हमारा संविधान 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन के अथक परिश्रम के पश्चात् 26 नवम्बर 1949 तक संविधान के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया। इस संविधान के कुछ उपबंध तो उसी दिन लागू कर लिए गये परन्तु शेष उपबन्ध 26 जनवरी 1950 को प्रवृत हुए जिसे संविधान के प्रवर्तन की तारीख कहा जाता है। हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा और विस्तृत संविधान है।

## मौलिक अधिकार

भारतीय संविधान की एक प्रमुख विशेषता जनता को प्रदत्त मूल अधिकार की धोषणा है। हमारे संविधान का तीसरा भाग बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए संविधान के अध्याय 3 को भारत का अधिकार पत्र कहा गया है। इस अधिकार पत्र द्वारा ही अंग्रेजों ने सन् 1215 ई. में इंग्लैण्ड के सम्राट जॉन से नागरिकों के मूल अधिकारों की सुरक्षा प्राप्त की थी। यह अधिकार पत्र मूल अधिकारों से संबंधित प्रथम लिखित दस्तावेज है। इस भाग को संविधान के रीढ़ के नाम से भी बुलाया जाये तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। हमारे संविधान के तीसरे भाग में हमारे मूल अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि किसी भी व्यक्ति के मूल अधिकारों का उल्लंघन न हो।

अगर आपको लगता है कि किसी व्यक्ति, संगठन या सरकार के द्वारा आपके मौलिक अधिकारों का हनन किया गया है तो उनके खिलाफ उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय में मुकदमा दायर कर सकते हो। सरकार को कह सकते हो कि वह आपके मूल अधिकारों की रक्षा करने में असफल रही है।

यह अधिकार कई कानूनों का आधार है। केन्द्र व राज्य सरकार को अपने कानून बनाने के पूर्व ध्यान रखना होगा कि वह कोई ऐसे कानून न बनाए जिससे की आपके अधिकारों का हनन हो। यदि सरकार द्वारा ऐसे कोई कानून बनाए भी जाते है तो वह कानून लागू नहीं होगा। सरकार के खिलाफ कोई भी मुकदमा दायर कर सकता है।

संविधान में मूल अधिकारों को 6 भागों में बांटा गया है जो निम्न है–

1. समता का अधिकार
2. स्वतंत्रता का अधिकार
3. शोषण के विरूद्ध अधिकार
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
5. सांस्कृतिक और शिक्षा का अधिकार
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार

अतः हमारे मूलभूत अधिकार वे आधारभूत अधिकार हैं जो नागरिकों के बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक ही नहीं वरन् अपरिहार्य है। इन अधिकारों के अभाव में व्यक्ति का बहुमुखी विकास असंभव है।

## केवो मरदां छोरो आछो के छोरी

भेरा बा रे बुढ़ापा में पाँचवीं छोरी गणी रे केड़े छोरो जनम्यो। माराज रे घरे ग्या तो टीपणो देख ने बोल्या कि इने हीरो के बतळावज्यो। घर में सूरज पुज्यो ने मनखा नें जलेब्या खवई। गणी रे बकर्याँ चरावणी पांती आई पण हीरा ने पाँच साल रो वेताई इस्कूल में भरती करायो। लाड़लो पुत कदी तो भणवा जावतो ने कदी नी जावतो विने केवा वालो कुण। युं करता करता हीरे पाँचवीं पास कर लीदी। छटी कक्षा दो बरस में ने सातवीं तीन बरस में पास कीदी।

आठवीं में आवता–आवता तो हीरो आख्याउं वातां करवा लाग ग्यो। पड़ौसी ओळमो लेइन आवता पण हीरा बा रे कई फरक नी आयो। धीरे धीरे गाम वाळा ओळमो देणो ई छोड़ दिदो। हीरो इस्कूल में कम ने पटेल बारा टेक्टर पे दानकी करवाने ज्यादा जावा लाग ग्यो। दानकी रा पइस्या सीगरेटा रां धुआं में उड़ावतो हीर्यो खाट्या रो हवाद भी लेवा लाग ग्यो। धीरे धीरे हीरा री हालत वगड़ी, एक दन दवाखाना में हीरा री जाँच कराई तो डॉक्टर सा ने टी.बी. री बीमारी बताई। डाक्टर सा हीरा ने टीबी री दवा दीदी और एक गोळी रोज लेवा री बात बताई। हीरे दवा खादी कोनी एक दन हीरो राम नाम सत वेग्यो नें भेरा बा रे पगां निचू धरती खिसक गी। भेरा बा आपणी नानकी छोरी गणी रे हमचार कीदा। गणी रोवती तकी आई ने बारा दन तक अपणा भई नें युं केवती रोई रे बीरा थने गणो क्यो पण थूं मान्यो कोनी, हउ भणतो तो आज यो दन नी देखणो पड़तो। गणी अपणा भई री भड़ पाळी नें अपणा माँ बाप री सेवा कर बेटा रो धरम निभायो। केवो मरदां छोरो आछो के छोरी।

मदन लाल कीर...

# बापू म्हारो माण्डो बाणु मति करो

चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति की ग्राम पंचायत देवरी के गाँव घाघसा की एक 12 वर्षीय बालिका दुर्गा कुमारी लोहार ने बाल विवाह के विरूद्ध आवाज उठाकर समाज में बरसों से चली आ रही कुरीति का बहिष्कार किया है और अपने साथी व सहभागियों को भी इसका एहसास दिलाया है कि यदि हौसले बुलंद हों तो दुनिया को भी झुकना पड़ता है।

बाल पंचायत घाघसा की अध्यक्षा दुर्गा अपने पद की जिम्मेदारी ईमानदारी से निभा रही है। बाल सभा में शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों, बालिका शिक्षा, बालिका सशक्तिकरण के विषय पर चर्चाएं होती हैं।

एक दिन दुर्गा को पता चला कि उसके पिताजी उसका विवाह करने जा रहे हैं। 18 दिसम्बर, 2008 को दुर्गा के घर पर बाल सभा आयोजित की गई। इसी दौरान दुर्गा को देखने के लिए मेहमान आए। बाल सभा में दुर्गा की अनुपस्थिति का कारण पूछने पर पता चला कि दुर्गा को देखने वाले आए हैं। दुर्गा की सहेलियों ने बताया की दुर्गा अभी शादी नहीं करना चाहती है और आगे पढ़ना चाहती है।

दुर्गा के पिताजी कालूजी लोहार ने घर में आए मेहमानों की खूब खातिरदारी की। दुर्गा चाहते हुए भी अपने माता पिता के सामने बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। उसने अपने पिता को एक पत्र लिखा कि ''बापू म्हारो माण्डो बाणु मति करो मूं बाणु नी पनणी चऊं। पेली भणुला नें अठारा साल केड़े पनुला''।

मेहमानों ने लड़की देखने की इच्छा व्यक्त की तो दुर्गा को बुलाया गया। दुर्गा स्वयं को रोक नहीं पाई और उसने अपने पिताजी के हाथों में लिखा हुआ खत पकड़ा दिया।

दुर्गा के पिताजी पत्र को सभी के समक्ष पढ़ते हुए सकपका गए और दुर्गा पर आग बबूला हो गए। कालूजी बोले ''छोरी ने मनखा रा हामें म्हारी इज्जत खराब कर दीदी''। दुर्गा ने अपने पिता को समझाते हुए कहा, ''इज्जत थांकी खराब नी वेरी पण था म्हारी जिन्दगी खराब कररिया हो। अणा रे आगत वे तो दूसरी छोरी देखने माण्डो करलो पण मुं बाणु नी पनुं। दुर्गा ने कहा आप चाहे जो करलो मैं बाल विवाह नहीं करूंगी ना ही अपने गाँव में बाल विवाह करने दूंगी। आखिर बाल हठ के सामने किसी की नहीं चली। मेहमानों एवं पिताजी को दुर्गा की बात माननी ही पड़ी।

बाल विवाह का विरोध कर अपने साहस एवं आत्मविश्वास का जो परिचय दिया इसके लिये दुर्गा की पहल काबिले तारीफ है। दुर्गा की इस पहल को मीडिया में भी अच्छा कवरेज मिला। यह सिलसिला यहीं पर ही नहीं रुका। 27 मई, 2009 को दुर्गा कुमारी से आकाशवाणी केन्द्र चित्तौड़गढ़ पर भी भेंटवार्ता हुई जिसका आकाशवाणी केन्द्र पर प्रसारण हुआ। भेंटवार्ता में दुर्गा ने बताया उसने बाल पंचायत से जुड़कर बहुत कुछ सीखा है। दुर्गा अपनी इस सफलता का श्रेय स्थानीय बाल पंचायत एवं कट्स संस्था को देती है, जिनके प्रयास से उसमें जागरूकता आई। दुर्गा अब नियमित स्कूल जाती है और घर पर भी नियमित अध्ययन करती है।

यदि समाज के हर बच्चे इस तरह से अपने अधिकारों के लिए लड़ने लगें तो वह दिन दूर नहीं जब समाज की यह कुरीति समाज से पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी।

## नन्ही वैज्ञानिक

छोड़ घिसटना घुटनों
के बल
सीख लिया नन्हीं ने
चलना
अपने पाँव खड़े होने
के
सुख की नहीं जगत
में तुलना

लगता मानो द्वार
खुल गये
एक अनोखी ही दुनिया के
हैं हौसले बुलंद जोश के
पार नन्हीं–नन्हीं गुड़िया के

आगे–पीछे ऊपर–नीचे
भीतर बाहर पहुँच–पहुँचकर
छूकर, चख कर, देख परख कर
उलट–पलटकर, उठा पटक कर

नए प्रयोग रोज करने में
जोर शोर से लगी हुई है
नित्य नवीन खोज करने की
चाह हृदय में जगी हुई है

चखी निबौली एक बार ही
गरम तवे को छुआ न फिर से
चींटा पकड़ा नहीं दुबारा
सीखा सब अपनी कोशिश से

है बढ़ रही ज्ञान के पथ पर
बिना डरे पथ के काँटों से
दादा–दादी की घुड़की या
मम्मी पापा की डांटों से

साभार शिक्षा विमर्श

## बूझो तो जानें

बिना पानी दौड़ लगाए, फिर भी वह जहाज कहलाए।
कई दिनों तक पीए न पानी, जो बूझे कहलाए ज्ञानी।।

चार खम्भों को चलते देखा, आगे अजगर लटके देखा।
ऊपर बैठे लल्लू राम, बताओ तो क्या है उसका नाम।।

सुबह सवेरे मचाऊं शोर, उठो जागो हो गई भोर।
यही मेरा हर दिन का काम, अब तो बतलाओ मेरा नाम।।

ऊँट की बैठक हिरण की चाल,
वह कौन सा जानवर जिसके दुम न बाल।।

हरी थी मन भरी थी, लाख मोती जड़ी थी,
राजा जी के खेत में दुशाला ओढ़े खड़ी थी।।

ऐसा मिलकर शब्द बनाएं,
फूल मिठाई और फल बन जाए।।

ऊँट, हाथी, मुर्गा

उत्तरः मेंढक, भुट्टा, गुलाबजामुन

## पर्यावरण संरक्षण हेतु नन्हें हाथों ने लगाए पौधे

पर्यावरण संरक्षण में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने हेतु परियोजना क्षेत्र के 28 गाँवों में जुलाई, 2009 में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। बाल पंचायत के पर्यावरण मंत्री की अगुवाई में किए गए पौधारोपण के तहत प्रति बाल पंचायत को 15 छायादार पौधे वितरित किए गए। बच्चो ने सार्वजनिक स्थान, धार्मिक स्थान, निजी भूमि, सरकारी स्कूलों एवं सड़क के किनारे पौधारोपण किया व पौधे की सुरक्षा के लिए बाड़ लगाकर पौधे की सुरक्षा सुनिश्चित की।

## बच्चों ने हाथ में जल लेकर लिया संकल्प

ग्राम पंचायत चिकसी के गाँव रघुनाथपुरा में आयोजित बालसभा में उपस्थित बच्चों में से 4 बच्चे तंबाकू गुटखा सेवन करते पाए गए, जिसमें एक लड़की भी थी। बाल सभा में तंबाकू गुटखा सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा की गई, जिससे प्रभावित होकर चारों बच्चों ने भविष्य में तंबाकू, गुटखा सेवन नहीं करने का संकल्प लिया। चारों बच्चों ने सभी बच्चों के सामने हाथ में जल लेकर यह शपथ ली कि वे भविष्य में तंबाकू गुटखा सेवन नहीं करेंगे।

## बच्चों ने उठाया फटी पुस्तकें वितरण का मुद्दा

बाल पंचायत की नियमित बैठकों से बच्चों में अपनी आवाज उठाने की प्रेरणा मिलने लगी हैं, बच्चे अपनी बात कहने लगे हैं। 10 जुलाई, 2009 को पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ के अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्य नारायण इनाणी द्वारा स्कूलों में पर्यवेक्षण किया जा रहा था। सत्य नारायण इनाणी ग्राम पंचायत चिकसी के गाँव जितावल के स्कूल में पहुंचे तो बच्चों ने स्कूल द्वारा आधी पुस्तकें पुरानी वितरित करने की बात कही। सत्य नारायण इनाणी ने कक्षा कक्षों में पहुंच कर बच्चों से पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त की तो बच्चों की पुस्तकें फटी हुई पाईं।

## बच्चों में होने लगा नेतृत्व क्षमता का विकास

गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना के तहत गाँव स्तर पर गठित बाल पंचायतों में नेतृत्व क्षमता का विकास होने लगा है। परियोजना के तहत् स्कूल में बच्चों के साथ खेल गतिविधियाँ आयोजित करवाने हेतु कट्स द्वारा सरकारी स्कूलों को खेल सामग्री दी गई। बाल पंचायत के खेल मंत्री ने स्कूल में खेल आयोजित करने की माँग की। स्कूल समय में खेल करवाने का समय नहीं मिलने के कारण खेल मंत्री स्कूल से अपने नाम पर खेल सामग्री जारी करवा कर बच्चों को खेल करवाने लगे हैं। इससे बच्चों में खेल एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने लगी है।

## बाल सभाऐं एवं बाल पंचायत बैठकें

परियोजना क्षेत्र क गांवों में बाल सभाएं एवं बाल पंचायत बैठकें आयोजित की गई जिसमें 787 बालक एवं 645 बालिकाओं सहित 1432 सहभागियों ने भाग लिया। बैठकों में बच्चों की शैक्षिक स्थिति, मौसमी बीमारियाँ, बाल अधिकार एवं जीवन कौशल शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं बालिका शिक्षा पर चर्चा की। बैठकों के दौरान गाँव के 6 से 14 वर्ष के बच्चों के

शत–प्रतिशत नामांकन एवं ठहराव पर चर्चा व विचार–विमर्श किया गया। बैठकों में सदस्यों ने बताया कि बाल पंचायत सदस्यों द्वारा शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल से जोड़ा जा रहा है।

## बाल पंचायत चुनाव

गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना के तहत ग्राम स्तर पर परियोजना में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने हेतु गत वर्ष बाल पंचायतें गठित की गई थी। एक वर्ष पुरानी बाल पंचायतों के चुनाव करवाए गए। बाल पंचायत चुनाव में बड़ी उम्र के बच्चों के स्थान पर नये बच्चों को जोड़ने हेतु नई बाल पंचायतें गठित की गईं। बाल पंचायत चुनाव में स्थानीय आवश्यकता के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, स्वास्थ्य मंत्री, शिक्षा मंत्री, खेल मंत्री, पर्यावरण मंत्री आदि का चयन किया गया। नव गठित बाल पंचायत सदस्यों के साथ आगामी गतिविधियों के बारे में चर्चा की गई।

## प्रतिभाएं : हमारे सपनों का स्कूल

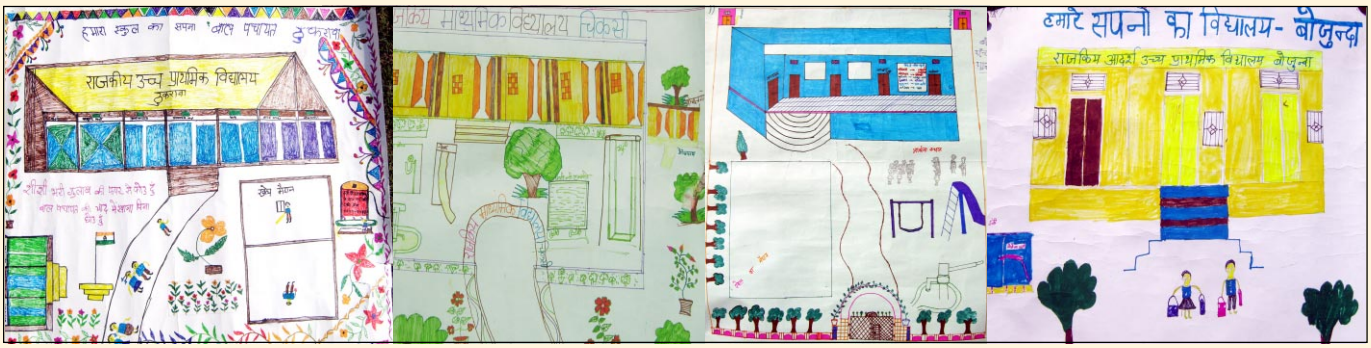

**जन जागरूकता विकास कार्यक्रमों की सफलता का मूल मंत्र**

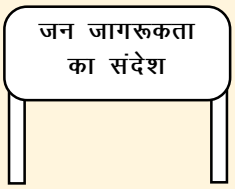


## बाल पंचायत की रेलगाड़ी

कट्स संस्था से रेल चली छुक–छुक–छुक
इसमें बैठे बाल पंचायत के बच्चे
सब अपनी गाथा गाते, सबको पाठ नया सिखलाते।
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

लाल जी का खेड़ा से रेल चली छुक–छुक–छुक
इस रेल में बैठे रंगास्वामी के बच्चे
बोले अब तो पढ़ने जाते, हम अच्छे बच्चे कहलाते।
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

घाघसा से रेल चली छुक–छुक–छुक
इस रेल में बैठे दुर्गा और साथी
बोले बाल विवाह रूकवाते हैं और सब मिल पढ़ने जाते हैं।
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

रिठोला से रेल चली छुक–छुक–छुक
उसमें बैठे सम्पत और साथी
बोले माता पिता को समझाते, सबको दारू से बचाते।
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

देवरी से रेल चली छुक–छुक–छुक
इसमें बैठे संगीता और साथी
बोले सबको हम समझाते,
सुपारी, गुटखा, विमल छुड़ाते, अपने जगमग दाँत दिखाते।
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

पारलिया से रेल चली छुक–छुक–छुक
उसमें बैठे राजू और साथी
बोले रोज नहाने जाते, हाथ धोकर खाना खाते
सबको स्वच्छता का पाठ पढ़ाते
बाल पंचायत की रेल चली छुक–छुक–छुक

नीतू जोशी

## शाबाश योगेश

बाल पंचायत के बच्चों की पहचान जिला स्तर पर होने लगी है। गाँव देवरी की बाल पंचायत में एक नन्हा सा बच्चा भी जुड़ा हुआ है। वह भी सचिव के पद पर। बाल पंचायत का सचिव योगेश गाडरी दिखने में भले ही छोटा लगता है, लेकिन उसकी प्रतिभा से उसकी पहचान जिले स्तर पर होने लगी है। 10 वर्षीय योगेश अपने पिता का इकलौता बेटा है जो कक्षा 4 में पढ़ता है।

सर्वोदय साधना संघ, चन्देरिया (चित्तौड़गढ़) ने 2 अक्टूबर 2009 को जिला स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता रखी जिसमें इस नन्हे बच्चे ने भी उत्साह से भाग लिया। योगेश गाडरी ने महात्मा गाँधी का चित्र बनाया एवं प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

## बाल मनोवैज्ञानिक

व्यक्ति के बड़े होने पर बचपन का महत्व समझ में आता है, किन्तु यदि किसी बच्चे से पूछा जाए तो वह बचपन को कैदखाना बताएगा। बच्चों को लगता है कि कब हमारा बचपन खत्म हो और कब हम बड़े होंगे जब हम हमारे अनुसार निर्णय ले सकेंगे। कभी–कभी बच्चों पर इतना अधिक अनुशासन लाद दिया जाता है कि बच्चा उससे परेशान हो जाता है। उसे लगने लगता है कि बचपन ऐसा ही होता है। जो देखो वो ये ही कहता नजर आता है ये करो, वो न करो, ऐसे उठो, वैसे बैठो। इस टोका–टोकी में बच्चा उलझ कर रह जाता है।

बच्चे के मनोविज्ञान को समझना भी एक तपस्या है। जब श्रीराम बचपन में गुमसुम रहते थे तो दशरथ जी को यह लगने लगा कि यह होने वाले राजकुमार हैं और बचपन से ही राम के मन में जो वैराग्य भाव है वह ठीक नहीं है। इसलिए उन्होंने श्रीराम को वशिष्ठजी के पास भेजा तथा गुरू वशिष्ठ ने श्रीराम के बाल मन को समझते हुए उन्हें जो ज्ञान दिया उसे योग वशिष्ठ के नाम से जाना जाता है।

जब श्रीकृष्ण ने भी इन्द्र की पूजा का विरोध किया था तब सभी ने इसे बालहठ समझा लेकिन मां यशोदा ने उनके मनोविज्ञान का विश्लेषण किया और श्रीकृष्ण के पक्ष में खड़ी हो गईं। वे जानती थीं कि बच्चों का मनोबल कभी–कभी सत्य के अधिक निकट पहुँच जाता है। बचपन ईसा मसीह का हो या मोहम्मद साहब का या ध्रुव, प्रहलाद का, इनके पालक यह समझ गए थे कि जीवन हमेशा विरोधाभास में ही उजागर होता है।

## बाल श्रमिकों के लिए शिक्षा हुई सुलभ

कट्स द्वारा पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ के 28 गाँवों में गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना चलाई जा रही है। हर गाँव की अलग अलग समस्याएं हैं। परियोजना क्षेत्र के लालजी का खेड़ा एवं ओछड़ी में बाल श्रम प्रमुख समस्या है। कट्स प्रतिनिधियों ने उपश्रम आयुक्त सज्जनसिंह से नियमित रूप से सम्पर्क कर इस समस्या के बारे में अवगत कराया। श्रम विभाग द्वारा जुलाई माह में जिले के अन्य गाँवों के साथ ओछड़ी एवं लालजी का खेड़ा गाँव का भी सर्वे करवाया जिसमें बड़ी संख्या में बाल श्रमिक चिन्हित किए गए। श्रम विभाग द्वारा ओछड़ी एवं लालजी का खेड़ा में 24 अक्टूबर को बाल श्रमिक विद्यालय का विधिवत शुभारंभ कर दिया गया है। कट्स द्वारा इन गाँवों में बाल श्रमिकों को नियमित रूप से विद्यालय में भेजने हेतु समुदाय को प्रेरित किया जा रहा है।

## विद्यालय विकास एवं प्रबन्ध समिति प्रशिक्षण

विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति के साथ गहनता से कार्य करने हेतु सितम्बर, 2009 में विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने में समिति की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने हेतु कट्स मानव विकास केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण में 25 गाँवों से 105 महिला एवं 84 पुरूष सहित 189 सहभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में कट्स के मदन कीर, संजय मौड़, नीतू जोशी एवं चन्दा जाट ने संदर्भ व्यक्ति के रूप में परियोजना के उद्देश्य एवं प्रस्तावित गतिविधियाँ, विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति के अधिकार एवं कर्तव्य, बाल पंचायत की अवधारणा एवं बाल अधिकारों के बारे में जानकारी दी।

## सचेतक बैठक

कट्स मानव विकास केन्द्र पर सचेतक मासिक बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में सचेतकों द्वारा माह के दौरान किए गए कार्य की समीक्षा की गई एवं कार्य के दौरान सचेतकों द्वारा अनुभव की गई कठिनाइयों की पहचान कर निस्तारण का प्रयास किया गया।

## प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

राज्य सरकार द्वारा चलाये गये प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में परियोजना क्षेत्र के 28 गाँवों की बाल पंचायत के शिक्षा मंत्रियों की अगुवाई में शिक्षा से वंचित 6 से 14 वर्ष के बालक बालिकाओं को स्कूल में प्रवेश दिलाया। इस दौरान बाल पंचायत के बच्चों ने घर घर जाकर बच्चों से सम्पर्क कर उनको शिक्षा से जुड़ने हेतु प्रेरित किया एवं साथ में रहकर प्रवेश दिलाया।

15 जुलाई, 2009 को ग्राम पंचायत चिकसी के गाँव रघुनाथपुरा में स्थानीय बाल पंचायत द्वारा सायं 6 बजे जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में 40 बालक एवं 30 बालिकाओं सहित 70 सहभागियों ने भाग लिया। शिक्षा मंत्री कालूराम जटिया के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता रैली के माध्यम से समुदाय में शिक्षा से वंचित बालिकाओं को विद्यालय में जोड़ने के लिए आह्वान किया। बच्चों ने 'एक लड़की पढ़ेगी, सात पीढ़ी तरेगी, 'पहले विद्या दान, फिर कन्या दान' आदि नारे बोलते हुए गांव में जागरूकता रैली निकाली।

## ग्राम बैठकें

परियोजना क्षेत्र के गाँवों में ग्राम बैठकें आयोजित की गईं जिसमें 150 महिलाओं एवं 83 पुरूषों सहित 233 सहभागियों ने भाग लिया। बैठकों में गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु कट्स द्वारा किए जा रहे प्रयास, गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने में अभिभावक की भूमिका, विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति के कार्य एवं शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे मे जानकारी दी गई। बैठकों के दौरान ग्राम शिक्षा विकास योजना के बारे में चर्चा की गई जिसमें विद्यालय में भौतिक सुविधाएं एवं, बच्चों से जुड़ी हुई समस्याओं पर चर्चा की गई।

## अभिभावकों की संख्या बढने लगी

परियोजना क्षेत्र के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने लगी है। अभिभावक स्कूल में जाकर अपने बच्चों की शैक्षिक स्थिति के बारे में जानकारी लेने लगे हैं। राष्ट्रीय दिवस पर अभिभावक स्कूल जाने लगे हैं। इस 15 अगस्त को परियोजना क्षेत्र के विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रम में लोगों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया एवं बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

## सामग्री वितरण

गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा प्रकाशित पोस्टर ''आओ मिलकर हाथ बढ़ाऐं शिक्षा में गुणवत्ता लाऐं'' परियोजना क्षेत्र में वितरित किए गए एवं शिक्षा, बालश्रम, बाल विवाह, एच आई वी/एड्स पर आधारित स्टीकर परियोजना क्षेत्र के गांवों में लगवाए गएं।

## बाल मजदूरों ने लिया स्कूल में प्रवेश

ग्राम पंचायत देवरी के गाँव ठुकरावा के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता दिखाई देने लगी है। गाँव के जागरूक लोगों ने भील जाति के घीसू व काना को होटल से मजदूरी छुड़वाकर स्कूल में प्रवेश दिलाया। घीसू व काना अब नियमित स्कूल जा कर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

## सूक्ष्म नियोजन

कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा जून 2009 में ग्राम विकास योजना पर सूक्ष्म नियोजन किया गया। सूक्ष्म नियोजन के तहत् ग्राम स्तर पर बैठकें आयोजित कर ग्राम विकास योजना पर चर्चा की गई एवं लोगों की सहभागिता से ग्राम का नजरी नक्शा बनाया गया। इन नक्शों के माध्यम से 6 से 14 वर्ष के बच्चों की शैक्षिक स्थिति की जानकारी का संकलन किया गया।

### हितधारक प्रशिक्षण

9 अक्टूबर, 2009 को कट्स मानव विकास केन्द्र पर हितधारक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की ग्राम पंचायत चिकसी, जालमपुरा, ओछड़ी, देवरी, सहनवा एवं सेमलिया के विद्यालय विकास प्रबन्धन समिति सदस्य, समुदाय मुखिया, स्वयं सहायता समूह सदस्य, वार्ड पंच, सरपंच एवं सचेतक सहित 84 सहभागियों ने भाग लिया। एक दिवसीय हितधारक प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य हितधारकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में अवगत कराना, ग्राम विकास योजना में हितधारकों की सहभागिता सुनिश्चित करना एवं गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराना था। प्रशिक्षण में संदर्भ व्यक्ति के रूप में सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला समन्वयक सुरेशचंन्द्र शर्मा ने लोगों को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के संबंध में अवगत कराया।

### सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

नेहरू युवा संस्थान अरनोद के रतनलाल मेघवाल एण्ड पार्टी द्वारा परियोजना क्षेत्र के 28 गाँवों में साँस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परियोजना क्षेत्र की 1815 महिला, 1852 पुरूष व 1476 बच्चों सहित 5143 लोगों ने साँस्कृतिक कार्यक्रम देखा। कलाकारों ने गीत, नाटक एवं भजन के माध्यम से बालिका शिक्षा, बाल श्रम, बाल विवाह, एच.आई.वी./एड्स एवं पर्यावरण के प्रति जन समुदाय में जागरूकता का संदेश दिया। ''गाँव गाँव और गली गली में शिक्षा री जोत जलावांगा, बालिका ने पढ़ा लिखा कर उणरो मान बढ़ावांगा'' गीत सुनकर लोगों ने बालिकाओं को स्कूल से जोड़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान कट्स प्रतिनिधियों ने समुदाय को गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु कट्स द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराया एवं गाँव की विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति सदस्यों के नाम पढ़कर सुनाये ताकि लोगों को भी विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति के सदस्यों के बारे में पता चल सके।

### कठपुतली के माध्यम से दिया संदेश

गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने में बच्चों की सहभागिता बढ़ाने हेतु राजूलाल द्वारा सरकारी विद्यालयों में कठपुतली प्रदर्शन किया गया। कठपुतली कलाकार ने बालिका शिक्षा, बालश्रम, एवं बाल विवाह पर आधारित कठपुतली प्रदर्शन किया। बच्चों के मनोरंजन हेतु सपेरा एवं

नाग नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान कलाकार ने बच्चों से नित्य मंजन करने एवं स्नान कर स्कूल जाने की अपील की। परियोजना क्षेत्र के 33 स्कूलों में आयोजित कठपुतली प्रदर्शन को 1413 बालक 973 बालिका सहित 2386 बच्चों ने देखा।

# बच्चों मे होने लगा नियमित हाथ धोने की आदत का विकास

कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा सेव द चिल्ड्रन के सहयोग से पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ के 28 गाँवों में विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर बाल आधारित गतिविधियाँ आयोजित की। इस दौरान बाल सभा, एवं जागरूकता रैली के माध्यम से बच्चों में नियमित हाथ धोने की आदत विकसित करने की पहल की जा रही है।

हाथ धुलाई कार्यक्रम का प्रारंभ ग्राम पंचायत चिकसी के रघुनाथपुरा गाँव से किया गया। इस अवसर पर सर्व शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला समन्वयक सुरेश चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि विश्व में मरने वाले बच्चों में से आधे से अधिक बच्चे भारत में मरते हैं जो एक चिंता का विषय है। बच्चों में हाथ धोने की आदत का विकास कर ऐसी मौतों में पचास प्रतिशत कमी लाई जा सकती है। इस अवसर पर सुरेशचंद्र शर्मा ने बच्चों को शपथ दिलाई की हर बच्चा भोजन से पहले व शौच के बाद साबुन से हाथ धोए।

कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने कहा कि केवल पानी से ही हाथ धोना पर्याप्त नहीं है, साबुन से हाथ धोना आवश्यक है। इस अवसर पर कट्स की नीतू जोशी ने ''सबसे पहले होता है हाथ गीला, फिर नाचे साबुन रंगीला'' गीत के माध्यम से बच्चों को हाथ धोने के तरीके के बारे में अभ्यास कराया। अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्यामसुन्दर शर्मा ने बच्चों में हाथ धोने की आदत विकसित करने में माता पिता की महत्वपूर्ण भागादारी बताते हुए मल के उचित निस्तारण के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय को 58 साबुन भेंट किये गये।

जागरूकता रैली को स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक गिरीराज शर्मा एवं कट्स के आशीष त्रिपाठी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। बच्चों ने ''पहले साबुन से हाथ धुलाएं फिर सब मिलकर खाना खाएं'', ''खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से मलकर धोएं हाथ'' नारों के माध्यम से समुदाय को हाथ धोने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक गिरीराज शर्मा ने किया। रैली में कट्स के मदन कीर स्थानीय विद्यालय के लाली देवी वैष्णव, संध्या दशोरा, गोपाल सोलंकी, लोकेश दशोरा एवं अख्तर खां एवं बालक बालिकाओं ने भाग लिया।

## मीडिया



विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया

बच्चों ने निकाली रैली

समाज के विकास में बालकों की अहम भूमिका- डॉ. मीणा

गांव के सरकारी स्कूल गांव की धरोहर: शर्मा

'प्रतिभाओं को मिले पूरा मौका'

पत्रिका संवाददाता

चित्तौड़गढ़, 22 अक्टूबर। बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने गांव, समाज एवं जिले का नाम रोशन करें। गांवों में भी कई प्रतिभाएं हैं, जिन्हें सही अवसर नहीं मिल पाता। इन्हें भी अवसर मिले तो ये प्रतिभाएं देश एवं समाज के विकास में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं।

ये बात पुलिस अधीक्षक गिर्राज मीणा ने स्वयंसेवी संगठन कट्स इन्टरनेशनल की ओर से रावला सेंती में आयोजित बाल सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों के दुरुपयोग चिंता का विषय है...

कट्स ने आयोजित किया प्रशिक्षण

चित्तौड़गढ़, 16 सितम्बर (पसं.)। स्वयंसेवी संगठन कट्स की ओर से रावला सेंती में विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कट्स के मदन कीर, संजय मौड़, नीतू जोशी व चंदा जाट ने सदस्यों को समिति के कार्य व अधिकारों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में लक्ष्मीपुरा, जितावल, ढुकरावा, बिलोदा एवं बिलोला विद्यालय प्रबन्धन समिति के 45 सदस्यों ने...

सार्वजनिक स्थानों का बढ़ता दुरुपयोग चिंता का विषय

गुणात्मक शिक्षा में सभी की भागीदारी

बाल मित्र बनें विद्यालय- त्रिपाठी

गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने को लेकर

बनष्टी में देर रात तक चला सांस्कृतिक कार्यक्रम

न्यूज सर्विस

चित्तौड़गढ़, 17 सितम्बर। स्वयं सेवी संगठन कट्स इन्टरनेशनल द्वारा गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चलाये जा रहे सामुदायिक गत्यात्मकता के तहत ग्राम पंचायत चिकसी के गांव बनष्टी में सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम एवं कठपुतली रतन राजस्थानी एण्ड पार्टी द्वारा सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने बाल-विवाह, बालिका शिक्षा, बाल श्रम, एचआईवी एड्स एवं पर्यावरण पर आधारित गीत एवं भजन प्रस्तुत किये। कठपुतली कलाकार राजूलाल ने कठपुतली के माध्यम से बताया कि शिक्षा के प्रति समुदाय में जागरुकता लाने के लिये 13 अक्टूबर तक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें 18 सितम्बर को जेतपुरा, 22 को जितावल, 23 को फतेहगढ़, 24 को देवरी, 25 को पारलिया, 29 को हापावास, 30 को घाघसा, 1 अक्टूबर को रिठोला, 2...

मुद्रक : के.बी.एस. प्रिण्टर्स

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़, फोन : (01472) : 241472 फैक्स : 240072
E-mail : chd@cuts.org, Website : www.cuts-international.org